कक्षा-10

अर्थशास्त्र

भाग-2

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

प्रथम संस्करण : 2014

मूल्य : ₹ 36.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, बुद्ध मार्ग, पटना-800001 द्वारा प्रकाशित तथा भवानी मुद्रणालय, पटना द्वारा 5,000 प्रतियाँ मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल 2013 से राज्य के कक्षा IX एवं X हेतु ऐच्छिक विषयों का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। इस संदर्भ में एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार पटना द्वारा विकसित यह पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की जा रही है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री बिहार, श्री जीतन राम मांझी, शिक्षा मंत्री, श्री वृशिण पटेल एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री आर० के० महाजन के मार्गदर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ है।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

दिलीप कुमार, आई.टी.एस.
प्रबंध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

दिशा बोध

श्री अमरजीत सिन्हा, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना

श्री राहुल सिंह, राज्य परियोजना निदेशक, बिहार माध्यमिक शिक्षा परिषद्, पटना

श्री हसन वारिस, निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

डॉ. सैयद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना।

डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर।

समन्वयक

डॉ0 रीता राय, व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना

लेखक समूह

श्री उपेन्द्र कुमार, राजकिशोर उच्च विद्यालय युसुफपुर, हाजीपुर, वैशाली

श्री ओम प्रकाश, धनेश्वरी देवनंदन कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, दानापुर, पटना

श्री आशीष कुमार, राजकीयकृत उच्च माध्यमिक विद्यालय, वीर ओइआरा, पटना

श्रीमती प्रीति कुमारी, बलदेवा इण्टर उच्च विद्यालय, दानापुर, पटना

श्रीमती नाहिदा प्रवीण, उत्क्रमित म0 वि0 मोतीपुर, मुजफ्फरपुर

श्री कात्यायन कु0 त्रिपाठी, प्रा0 वि0 चैलीटाल, गुलजारबाग, पटना

श्री अभय कुमार शर्मा, +2 जनता उच्च विद्यालय, कोरियावाँ, बेलागंज, गया

समीक्षक

डॉ. शंभू नाथ सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

डॉ. विनय कुमार लाल, अर्थशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

आमुख

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 के आलोक में निर्मित नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार की गई है। इस पुस्तक के निर्माण में इस बात का ध्यान रखा गया है कि "शिक्षा का मतलब बिहार के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का सही-सही अर्थ समझ सकें, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें, अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे प्राप्त करने हेतु यथासंभव सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कर सकें और साथ-ही-साथ इस बात को भी समझ सकें कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा ही करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है"। "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 हमें बताती हैं कि शिक्षार्थी के स्कूली जीवन और स्कूल से बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। किताब और किताब से बाहर की दुनिया आपस में गुँथी होनी चाहिए।

इस पुस्तक मे शिक्षार्थियों की कल्पनाशक्ति के विकास, उनकी गतिविधियों की सृजनशीलता, उनके सवाल करने और उनका उत्तर पाने के मौलिक अधिकार के समुचित संरक्षण और उसे रचनात्मक दिशा देने की कोशिश की गई है। निश्चय ही इसमें शिक्षार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी गहरे लगाव के साथ उतनी ही भूमिका होनी चाहिए। छात्रों के प्रति संवेदना और सहानुभूति के साथ उन्हें पुस्तक में गहरी सक्रिय सहभागिता बरतनी होगी।

इस पुस्तक के विकास क्रम में इस बात पर ध्यान दिया गया है शिक्षार्थियों को ऐच्छिक विषय के रूप में अर्थशास्त्र उनके आस-पास के साथ जोड़ते हुए आज के राष्ट्र का आधार स्तंभ है। किसी भी देश का आर्थिक विकास वहाँ के संसाधनों के अनुकूलतम प्रयोग पर निर्भर करता है, जिसे अर्थशास्त्र विषय नवीन तकनीक के माध्यम से संभव बनाता है। सिद्धांत एवं व्यवहार का अद्‌भुत संयोग इस विषय को शिक्षार्थियों के लिए अत्यंत रोचक बना देता है। यह एक साथ सृजनशीलता, रचनात्मकता, यथार्थवादिता, अनुशासनप्रियता, भौतिकता प्रायोगिकता की क्षमता को सम्पोषित करता है।

दशम् वर्ग के शिक्षार्थियों की चेतना शक्ति अत्यंत जागृत अवस्था में होती है। अर्थशास्त्र विषय सामाजिक पृष्ठभूमि में संचालित आर्थिक गतिविधियाँ से प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान को सैद्धांतिक ज्ञान से मिलाने का प्रयास करता है। जिसके माध्यम से तार्किकता, वस्तुपरकता एवं संज्ञानात्मकता का विकास संभव हो पाता है। इस पुस्तक की एक महत्वपूर्ण खासियत यह है कि इसमें अर्थशास्त्र के अवयवों को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा इस पुस्तक का विकास निर्णयानुसार शीघ्रता में किया गया है। संभव है कहीं-कहीं कुछ त्रुटियाँ रह गयी हों, जिन्हें विद्वतजनों के सुझाव से अगले संस्करण में सुधारने का प्रयास किया जायेगा। परिषद् अध्यापक शिक्षा विभाग एवं अन्य संकाय सदस्यों तथा शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिनके मार्गदर्शन में इस महत्ती कार्य को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया। जिनकी एक निष्ठ सक्रियता ने कार्य को सुगम बना दिया।

(हसन बारिस)
निदेशक

विषय सूची

क्र. सं.		पृष्ठ संख्या
1.	आर्थिक संवृद्धि एवं आर्थिक विकास	01 - 16
2.	पंचवर्षीय योजना	17 - 32
3.	भारतीय जनसंख्या	33 - 51
4.	वर्त्तमान आर्थिक समस्याएँ	52 - 74
5.	बाजार की शक्तियाँ	75 - 91
6.	मुद्रा एवं बैंकिंग	92 - 107
7.	भारत का विदेशी व्यापार	108 - 113
8.	सांख्यिकी का परिचय	114 - 128

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे,
भारत - भाग्य - विधाता।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा,
द्राविड़ - उत्कल - बंग।
विंध्य - हिमाचल - यमुना-गंगा,
उच्छल - जलधि - तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्य - विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।

BIHAR STATE TEXTBOOK PUBLISHING CORPORA TION LIMITED, BUDH MARG, PATNA-1
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, बुद्धमार्ग, पटना-1

आवरण मुद्रण : जे० एम० डी० प्रेस, मुसल्लहपुर हाट, पटना-6

Abdiel Solutions
Empowering Technologies